



NCERT Solutions for Class 11 Hindi Core A chapter 15 Shekhar Joshi

7. गाँव और शहर, दोनों जगहों पर चलने वाले मोहन के जीवन संघर्ष में क्या फ़र्क है? चर्चा करें और लिखें।

उत्तर:- गाँव और शहर, दोनों जगहों पर चलने वाले मोहन के जीवन संघर्ष में ज्यादा कुछ फ़र्क नहीं है। गाँव में उसे गरीबी, साधनहीनता और प्राकृतिक बाधाओं के साथ संघर्ष करना पड़ा। शहर में उसे दिन-भर नौकरों की तरह काम करना, मामूली से स्कूल में भी ठीक से पढ़ाई का मौका न मिलना आदि संघर्षों से गुजरना पड़ा।

8. एक अध्यापक के रूप में त्रिलोक सिंह का व्यक्तित्व आपको कैसा लगता है? अपनी समझ में उनकी खूबियों और खामियों पर विचार करें।

उत्तर:- मास्टर त्रिलोक सिंह एक परंपरागत शिक्षक हैं। वे एक अच्छे अध्यापक की तरह बच्चों को पढ़ाते हैं। किसी सहयोग के बिना अकेले ही पूरी पाठशाला को चलाते हैं। वे अनुशासन प्रिय शिक्षक और दंड देने में विश्वास रखते हैं।

इन विशेषताओं के साथ उनमें कुछ खामियाँ भी हैं। मास्टरजी के मन में जातिगत भेद-भाव का भाव गहरे बैठा हुआ था इसलिए वे मोहन जैसे उच्च कुल के बालक को अधिक प्यार और धनराम जैसे नीचे कुल के बालक को दिमाग में लोहा भरा है जैसे कटु वचन कहने से भी नहीं चूकते जो कि एक शिक्षक को मेरे अनुसार कतई शोभा नहीं देता है।

9. गलत लोहा कहानी का अंत एक खास तरीके से होता है। क्या इस कहानी का कोई अन्य अंत हो सकता है? चर्चा करें।

उत्तर:- गलत लोहा कहानी का अंत हमें केवल सोचने के लिए मजबूर कर छोड़ देता है। कहानी के अंत से यह स्पष्ट नहीं होता कि मोहन ने केवल सृजन का सुख लुटा या पुनः अपने खेती के व्यवसाय की ओर मुड़ गया या उसने धनीराम का पेशा अपना लिया।

यदि लेखक उस समय मोहन के पिता को भी वहाँ लाकर खड़ा कर देता जो मोहन की सही कला को पहचानकर अपनी जातिगत परंपरा को भुलाकर अपने बेटे मोहन को उसकी

• भाषा की बात

**1. पाठ में निम्नलिखित शब्द लौहकर्म से संबंधित है।
किसका क्या प्रयोजन है। शब्द के सामने लिखिए —
धौंकनी, दराँती, सँड़सी, आफर, हथौड़ा।**

उत्तर:- धौंकनी — धौंकनी से भट्टी में आग तेज की जाती है।
दराँती — दराँती से फसल और घास काटने के काम आती है।
सँड़सी — सँड़सी से ठोस वस्तुओं को पकड़ा जाता है।
आफर — आफर लोहे की दुकान को कहा जाता है।
हथौड़ा — हथौड़े से ठोस वस्तुओं पर प्रहार किया जाता है।

**2. पाठ में काट-छाँटकर जैसे कई संयुक्त क्रिया शब्दों का
प्रयोग हुआ है कोई पाँच शब्द पाठ में से चुनकर लिखिए
और अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।**

उत्तर:- 1. पहुँचते-पहुँचते — कार्यालय से घर पहुँचते-पहुँचते
रात हो गई।
2. उलट-पलट — बच्चों ने तो इस घर को उलट-पलट कर
दिया है।
3. थका-माँदा — विद्यालय से रोहन बड़ा थका-माँदा लौटा।
4. पढ़-लिखकर — हर माता पिता की इच्छा होती कि उनके
बच्चे पढ़-लिखकर उनका नाम रोशन करें।
5. घूम-फिरकर — घूम-फिरकर हम फिर वहीं लौट आए।

3. बूते का प्रयोग पाठ में तीन स्थानों पर हुआ है उन्हें छाँटकर लिखिए और जिन संदर्भों में उनका प्रयोग है, उन संदर्भों को स्पष्ट कीजिए।

1. बूढ़े वंशीधर के बूते का अब यह काम नहीं रहा।

संदर्भ — यहाँ पर ‘बूते’ शब्द का प्रयोग वंशीधर के ‘सामर्थ्य’ के संदर्भ में किया गया है कि वृद्ध हो जाने के कारण वंशीधर खेती का काम नहीं कर सकते थे।

2. यही क्या, जन्म-भर जिस पुरोहिताई के बूते पर उन्होंने घर संसार चलाया, वह भी अब वैसे कहाँ कर पाते हैं!

संदर्भ — यहाँ पर ‘बूते’ शब्द का प्रयोग ‘आश्रय’ के संदर्भ में किया गया है कि इसी पुरोहिती के सहारे ही उन्होंने अपने परिवार का भरण-पोषण किया था।

3. यह दो मील की सीधी चढ़ाई अब अपने बूते की नहीं।

संदर्भ — यहाँ पर ‘बूते’ शब्द का प्रयोग वंशीधर के ‘वश’ की बात के संदर्भ में आया है कि बूढ़े हो जाने के कारण इतनी लंबी चढ़ाई चढ़ना उनके वश की बात नहीं रह गई थी।

4. मोहन! थोड़ा दही तो ला दे बाज़ार से।

मोहन! ये कपड़े धोबी को दे तो आ।

मोहन! एक किलो आलू तो ला दे।

ऊपर के वाक्यों में मोहन को आदेश दिए गए हैं। इन वाक्यों में आप सर्वनाम का इस्तेमाल करते हुए उन्हें दुबारा लिखिए।

उत्तर:- 1. आप बाज़ार से थोड़ा दही तो ला दीजिए।

2. आप ये कपड़े धोबी को दे तो आएँ।

3. आप एक किलो आलू तो ला दें।

***** END *****